जीमो माहरा श्याम धनि

जीमो जीमो जीमो जीमो माहरा श्याम धनि,
भक्त जिमावे लाडल लड़ावे देवे है पुकार घनी,
ओ वरदानी करुणदानी सृष्टि भी अपार हुई,
भक्त जिमावे लाड लड़ावे माँ यशोदा तेरे पास खड़ी,

तुझको बाबा आज जीव्वा मन में इक छनकार हुई ,
ना माहरे कण अमृत भोजन रूखी सुखी श्याम धनि,
नाम कमाऊ तुझको ध्याऊ तुझमे खो जाऊ कही,
जो जेवू मैं तुम्हे जिमाओ हो रही है क्या ये अभी,
भक्त जिमावे लाड लड़ावे माँ यशोदा तेरे पास खड़ी,

भात भात के प्राणी तुझको अमृत पान कराते है,
मैं कराउ रूखी सुखी जो भी तुझको प्यारी है,
मैं गरीब दर्द की मारी दुनिया से भी हारी हु,
कर के चाकरी श्याम लगन की जीवन तुझपे वारि हु,
भक्त जिमावे लाड लड़ावे माँ यशोदा तेरे पास खड़ी,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15479/title/jimo-mahara-shyam-dhani

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |